नजिीकरण और मानवाधकिारों पर संयुक्त राष्ट्र की रपिोर्ट

चर्चा में क्यों?

संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा जारी एक नई रपिोर्ट के मुताबकि, कई समाजों में सार्वजनकि वस्तुओं का व्यापक रूप से नजिीकरण मानवाधकिारों को व्यवस्थति रूप से खत्म कर रहा है और गरीबी में रहने वाले लोगों को और अधकि हाशयि पर ले जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र वशिष संवाददाता फलिपि एल्स्टन ने अपनी रपिोर्ट संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्तुत की।

- नजिीकरण एक ऐसी प्रक्रयिा है जसिके माध्यम से नजिी क्षेत्र तेज़ी से या पूरी तरह से सरकार द्वारा की गई गतविधियिों के लयि परंपरागत रूप से ज़म्मिेदार होता है, जसिमें मानव अधकिारों की प्राप्त सुनश्चिति करने के लयि कई उपाय कयि जाते हैं।

मानवाधकिारों पर नजिीकरण का प्रभाव

- नजिीकरण का इसलयि समर्थन कयिा जाता है क्योंकि नजिी क्षेत्र को अधकि कुशल, वत्ति को संगठति करने में अधकि सक्षम, अधकि नवीन और अर्थव्यवस्था के पैमाने पर पूंजी नरि्माण में सक्षम तथा लागत कम करने के रूप में देखा जाता है।
- हालाँकि, नेशनल ऑडटि ऑफसि ऑफ द यूनाइटेड कगिडम द्वारा कयि गए अध्ययन में नष्किर्ष नकिाला गया कि नजिी वत्ति मॉडल सार्वजनकि वत्तिपोषण की तुलना में अस्पतालों, स्कूलों और अन्य सार्वजनकि आधारभूत संरचना प्रदान करने में अधकि महँगा और कम प्रभावशाली साबति हुआ।
- नजिीकरण उन मान्यताओं पर आधारति है जो कि मूलभूत रूप से उन लोगों से अलग है जो गरमिा और समानता जैसे मानवाधकिारों का सम्मान करते हैं।
- लाभ ही इसका सर्वोपरि उद्देश्य है और समानता तथा गैर-भेदभाव जैसे वचिारों को हटा दयिा गया है।
- नजिीकरण व्यवस्था मानव अधकिारों के लयि शायद ही कभी हतिकर रही है। गरीबी या कम आय वाले लोग नम्निलखिति तरीकों से नजिीकरण से नकारात्मक रूप से प्रभावति हो सकते हैं।
- आपराधकि न्याय प्रणाली का नजिीकरण कयिा गया है, इसलयि गरीबों पर कई अलग-अलग शुल्क और जुर्माना लगाया जाता है।
- उन सेवाओं की गुणवत्ता जो वे प्राप्त कर सकते हैं, कम हो जाती है, साथ ही न्याय प्राप्त करने की उनकी संभावना भी कम हो जाती है।
- सामाजकि सुरक्षा के नजिीकरण के परणिामस्वरूप अक्सर गरीबों को एक नए और वत्तिीय रूप से कमज़ोर सार्वजनकि क्षेत्र के अधीन कयिा जाता है।
- समाज में श्रमकिों की समस्याओं का हल खोजने के लयि एक मॉडल प्रारूप को व्यक्तयिों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजकि, मनोवैज्ञानकि, आर्थकि चुनौतयिों को पहचानने के लयि एक अन्य मॉडल द्वारा प्रतस्थिापति कयिा जाता है जो कि आर्थकि दक्षता संबंधी चतिाओं से प्रेरति होता है।
- बुनयिादी ढाँचा परयिोजनाएँ नजिी प्रदाताओं के लयि सबसे आकर्षक हैं जहाँ महत्त्वपूर्ण उपयोगकर्त्ता शुल्क लयिा जा सकता है और नरि्माण लागत अपेक्षाकृत कम होती है।
- लेकनि गरीब इस प्रकार के शुल्क का भुगतान नहीं कर पाते हैं इसलयि जल, स्वच्छता, बजिली, सड़क, परविहन, शक्षिा, स्वास्थ्य देखभाल, सामाजकि और वत्तिीय सेवाओं जैसी अनेक सेवाओं का उपयोग नहीं कर पाते हैं।
- सोशल सक्योरटिी सस्टिम का तेज़ी से नजिीकरण कयिा जा रहा है, जो सेवा आउटसोर्सगि, सोशल इंश्योरेंस, प्रशासनकि ववेकाधकिार का व्यावसायीकरण और अनुकूल परणिाम प्रदान करने में अग्रणी है।
- यह दृष्टकिोण नजिी लाभकारी संस्थाओं को व्यक्तयिों की आवश्यकताओं और क्षमताओं के बारे में दृढ़ संकल्पति करने के लयि सशक्त करता है।

अनुशंसाएँ

- रपिोर्ट में सफिारशि की गई है कि नजिीकरण सद्धिांत रूप में न तो अच्छा है और न ही बुरा लेकनि हाल के दशकों में जसि तरह से नजिीकरण हुआ है, उसकी जाँच की जानी चाहयि। इसके लयि नम्निलखिति कदम उठाए जाने चाहयि:
  ♦ मानवाधकिार प्रभावों पर डेटा एकत्र और प्रकाशति कयि जाने के लयि नजिीकरण के साथ जुड़े सार्वजनकि और नजिी क्षेत्र के भागीदारों द्वारा उचति मानकों को नरि्धारति कयिा जाना चाहयि।
  ♦ वशिष्टि क्षेत्रों तथा गरीब और हाशयि वाले समुदायों के मानवाधकिारों पर नजिीकरण के प्रभाव का व्यवस्थति अध्ययन को शामलि कयिा जाना चाहयि।
  ♦ संधयिों, वशिष प्रक्रयिाओं, क्षेत्रीय तंत्र तथा राष्ट्रीय संस्थानों के नए तरीकों का अन्वेषण कयिा जाना चाहयि जो नजिीकरण के संदर्भ में उत्तरदायी रूप से राज्यों और नजिी क्षेत्र को ज़म्मिेदार ठहरा सकते हैं।

भारतीय संदर्भ में

- भारत में कई ऐसी सरकारी परियोजनाएँ हैं जो सार्वजनिक-निजी भागीदारी पर आधारित हैं।
- हाल ही में नीति आयोग ने सरकार द्वारा संचालित ज़िला अस्पतालों में गैर-संचारी रोगों (NCD) से निपटने के लिये सार्वजनिक-निजी साझेदारी (PPP) के लिये दिशा-निर्देश जारी किये हैं।
- संयुक्त राष्ट्र की यह रिपोर्ट नीति आयोग को अपने दिशा-निर्देशों पर पुनर्विचार करने में मदद कर सकती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/widespread-v-marginalises-the-poor-un-peport